Nai Dunia (Indore), 10th November 2021, Page-02

'ऐसे शोध करें जो समाज के लिए फायदेमंद हों'

आइआइटी ● नौवें दीक्षा समारोह में अतिथियों ने दिया मार्गदर्शन, 498 विद्यार्थियों को दी गई डिग्री

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। तकनीकी क्षेत्र में जितना बदलाव 100 वर्ष में नहीं आया, उतना मात्र दस वर्ष में आया है। इसका सबसे ज्यादा लाभ शिक्षा के क्षेत्र में ले सकते हैं। हमें भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने पर जोर देना चाहिए। विद्यार्थी हमेशा सीखने की ललक रखें। ऐसे शोध करें जो समाज के लिए फायदेमंद साबित हों।

यह कहना है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सलाहकार अमित खरे का। वे मंगलवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर के 9वें दीक्षा समारोह में विशिष्ट अतिथि थे। उन्होंने कहा कि आइआइटी इंदौर ने नई शिक्षा नीति के तहत खुद को बेहतर तरीके से ढाला है और कई बेहतर कोर्स शुरू किए हैं। संस्थान को विभिन्न क्षेत्रों के और कोर्स शुरू करने की कोशिश जारी रखनी चाहिए। कोरोना महामारी में आइआइटी में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों और उनके माता-पिता को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ा है हालांकि धीरे-धीरे परेशानियों से हम बाहर आते गए।

मुख्य अतिथि और भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार प्रो. के. विजय राघवन ने कहा कि हम हर तरह की तकनीकी का उपयोग करते हैं, लेकिन फिर भी हमें अपदाओं का सामना करना पड़ रहा है। आइआइटी से पासआउट होने वाले विद्यार्थियों का ध्यान पृथ्वी पर जो भी बदलाव हो रहे हैं, उसे समझने और बेहतर करने पर होना चाहिए। जैव विविधता पर काम करके हम कई समस्याओं को दूर कर सकते हैं। विद्यार्थियों को अपने जीवन का मकसद बनाना चाहिए कि वे अपने साथ देश की तरक्की में भी योगदान दें। दीक्षा समारोह में कुल 498 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। प्रेसीडेंट आफ इंडिया गोल्ड मेडल बीटेक कोर्स के गौरव अनिल खाड़से को दिया गया। पीजी कोर्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए आरती सामल को भी गोल्ड मेडल दिया गया।

आइआइटी इंदौर में बनेगा ग्लोबल महामारी हब : आइआइटी इंदौर के कार्यवाहक निदेशक प्रो. नीलेश कुमार जैन ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र संघ और यूनेस्को के साथ हमने समझौता किया है। इसके तहत संस्थान में ग्लोबल महामारी हब बनाया जाएगा। इसमें सभी तरह की महामारी के बारे में जानकारी एकत्र की जाएगी और इसे दूर करने के लिए शोध होंगे। संस्थान की उपलब्धि के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि संस्थान ने महामारी के बीच स्थानीय प्रशासन के साथ समझौता कर मदद की। कोरोना संक्रमण को लेकर कई शोध किए हैं। आर्मी स्कूल महू और आइआइएम इंदौर के साथ समझौता कर नए कोर्स शुरू किए हैं। संस्थान ने आठ से ज्यादा पेटेंट कुछ समय में प्राप्त किए। जर्नल और पब्लिकेशन में भी बेहतर काम हुआ है।

आइआइटी इंदौर बोर्ड के चेयरमैन प्रो. दीपक बी. फाटक ने भी विद्यार्थियों को संस्थान से मिले अनुभवों का उपयोग समाज के लिए करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि आइआइटी इंदौर के इतने अच्छे माहौल में पढ़ाई करने के बाद विद्यार्थियों का बेहतर विकास हुआ है। विद्यार्थी ऐसे क्षेत्रों में आगे बढ़ें, जिसकी सबसे ज्यादा जरूरत समाज और देश को है। कार्यक्रम संस्थान के नए सभागृह नालंदा में आयोजित किया गया। इसमें आफलाइन माध्यम से करीब 200 विद्यार्थियों और माता-पिता को आमंत्रित किया गया था। बाकी विद्यार्थी, प्रो. के. विजय राघवन और अमित खरे आनलाइन माध्यम से शामिल हुए।

आइआइटी के दीक्षा समारोह में उपाधि मिलने के बाद प्रसन्न मुद्रा में विद्यार्थी और समारोह में मौजूद अतिथिगण । ● नईदुनिया

गौरव अनिल खाड़से । ● नईदुनिया

सिविल सर्विसेस में जाना चाहते हैं गौरव

प्रेसीडेंट आफ इंडिया गोल्ड अवार्ड प्राप्त करने वाले गौरव अनिल खाड़से का कहना है कि आइआइटी इंदौर में पढ़ाई करने के बाद मेरा आत्मविश्वास काफी बेहतर हो गया। अनुभवी प्रोफेसरों, आधुनिक लैब और कई सुविधाएं परिसर के अंदर मौजूद होने से दिनचर्या को अपने हिसाब से बेहतर बनाने का मौका मिला। पढ़ाई करने के दौरान कई नामी विशेषज्ञों को भी सुनने को मिला। मेरी इच्छा सिविल सेवा सर्विस में जाने की है। इसके लिए अब तैयारी करना है।

आरती का मकसद- समाज के लिए शोध करना

गोल्ड मेडल प्राप्त करने वाली आरती सामल का कहना है कि आइआइटी इंदौर से एमएससी करने के बाद यहीं के एमटेक कोर्स में प्रवेश ले लिया है। इसके बाद विदेश में पढ़ने के लिए जाना चाहती हूं। मेरा मकसद शोध क्षेत्र में जाना है और समाज के लिए ऐसे शोध करना है जिससे सभी को फायदा मिले।

आरती सामल । ● नईदुनिया